मातंगी दाम्पत्य सुख प्राप्ति साधना

हर व्यक्ति के मन में अनेक-अनेक कामनायें होती हैं। हर कोई **सौन्दर्यवान, आकर्षक एवं चिरयौवनवान** होना चाहता है। हर कोई जीवन में पूर्ण गृहस्थ सुख चाहता है और सभी की इच्छा होती है, कि **इच्छित स्त्री-पुरूष** से ही उसका विवाह हो पर बहुत ही कम होते हैं जिनकी ये कामनाये पूर्ण होती हैं, फिर उसका जीवन एक निराशा में बदल जाता है। ऐसी स्थिति में श्रेष्ठ उपाय है **'मातंगी दाम्पत्य सुख प्राप्ति साधना'** क्योंकि इसके नाम से ही ज्ञात होता है, कि इसके द्वारा व्यक्ति की सभी **दाम्पत्य सुख** युक्त मनोकामनायें पूर्ण होती हैं।

वह अत्यधिक आकर्षक एवं सम्मोहक व्यक्तित्व का स्वामी हो जाता है, उससे प्रत्येक व्यक्ति सम्पर्क बढ़ाने के लिये इच्छुक होते हैं। उसका विवाह अपने प्रेमी-प्रेमिका से होने का मार्ग खुलने लग जाता है और उसका गृहस्थ जीवन अत्यन्त सुखमय होता है।

प्रातः साधक स्वच्छ श्वेत धोती धारण कर पीले आसन पर पूर्वाभिमुख होकर अपने सामने सफेद वस्त्र पर **दाम्पत्य सुख प्राप्ति यंत्र** का पंचोपचार पूजन कर **मातंगी का ध्यान** करें-

श्यामांगी शशिशेखरा त्रिनयनां रत्नसिंहासन स्थिताम्।
वेदैर्बाहुदंडारसि-खेटक-पाशांकुश धराम्॥

मातंगी माला से **5** माला मंत्र जप सम्पन्न करें

॥ ॐ क्लीं हूं मातंग्यै दाम्पत्ये सर्व सुखे आगच्छ फट्॥

साधना की पूर्णता पर यंत्र व माला को किसी जलाशय में अर्पित कर दें और घर पर किसी बालिका को भोजन एवं उपहार भेंट करें। ऐसा करने से साधना सिद्ध होती है और साधक की सभी कामना पूर्ण होती हैं। **न्यौछावर ₹ 800**

कमला कंचन साधना

इस साधना का वर्णन कई ग्रन्थों में बड़े आदर के साथ किया गया है, क्योंकि यह साधना जहां व्यक्ति को जीवन में **धन, व्यापार, बुद्धि, आर्थिक उन्नति एवं भौतिक सुख को प्रदान करती है, साथ ही आध्यात्मिक उत्थान भी प्रदान करती है।** ऐसे व्यक्ति के साथ **एक हाथ में भोग एवं दूसरे हाथ में मोक्ष** होता है। इसके द्वारा व्यक्ति भौतिक क्षेत्र में उच्चतम शिखर पर पहुंचने में समर्थ होता है और हर प्रकार से सफलता की ओर अग्रसर रहता है।

साधक स्वच्छ पीली धोती धारण कर पीले आसन पर पश्चिम दिशा की ओर मुख करके बैठ जाये और अपने सामने लाल वस्त्र से ढके बाजोट पर कमला कंचन स्थापित कर उसका कुंकुम तथा गुलाब से पूजन कर ध्यान सम्पन्न करें-

कान्त्या कांचनसन्निभां हिमगिरि प्रख्यैश्चतुर्भिर्गजैः।
हस्तोत्क्षिप्त हिरण्मया मृतघटैरा सिच्यमानां श्रियम्॥
बिभ्राणां व्वरमब्जयुग्ममभयं हस्तं किरीटोज्ज्वलाम्।
क्षौमाबद्धनितम्ब बिम्बललितां बन्देऽरविन्द स्थिताम्॥

कमला कंचन माला से **3 माला मंत्र** जप सम्पन्न करें-

मंत्र

॥ ॐ ह्रीं कमले ऐश्वर्य भोग सुखे देहि श्रीं ॐ नमः॥

साधना सम्पन्न होने पर **कमला कंचन व माला** को नदी या जलाशय में विसर्जित कर दें, ऐसा करने से यह साधना सिद्ध सफल होती हैं और साधक भोग व मोक्ष से युक्त होता है।

न्यौछावर ₹ 750

महाकाली-धूमावती-महालक्ष्मी दीक्षा

जीवन में **दुःख, कष्ट, रोग, पीड़ा, संताप, भय, डर** निरन्तर बना रहता है। अतः इन विषम स्थितियों के निवारण हेतु दैवीय शक्तियो का सहयोग लेना आवश्यक होता है। नवरात्रि के अनुष्ठान स्वरूप में पूर्णता दिवसो में जीवन की अन्धकारमय नारकीय स्थितियों व कदम-कदम पर आने वाली बाधाओं, अड़चनो, दुविधाओं व शत्रुता पूर्ण कुस्थितियों के समाधान हेतु सर्वश्रेष्ठ स्वरूप में **महाकाली-धूमावती साधना-दीक्षा** शक्तियो को रोम-रोम में स्थापित कर **सम्पूर्ण जीवन महालक्ष्मीमय धन शक्तिमय** बन सकेगा।

सद्गुरूदेव कैलाश श्रीमाली जी द्वारा **23-24-25 अक्टूबर** को **सर्व तंत्र बाधा, पिशाच दोष निवृति** युक्त **अष्ट सिद्धि नव निधि महालक्ष्मी पूजा, साधना, दीक्षा** सभी साधको को प्रदान करेंगे। शारदीय नवरात्रि में जीवन के हर क्षेत्र में दुर्गति नाशक कुशक्तियों का नाश हो सकेगा। इससे **सांसारिक गृहस्थ जीवन सभी मनोकामनाओं व सुमंगलमय निर्मित** हो सकेगा।

फोटो द्वारा महाकाली, धूमावती, महालक्ष्मी महाविद्या दीक्षा न्यौछावर ₹ 1800